

स्नातकपरीक्षा:- २०१५**बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - प्रथमवर्षः****शास्त्रम् - पूर्वमीमांसा****भागः - २, पत्रिका - ४****विषयः - भाट्टदीपिका****दिनाङ्कः - 5-4-2015****गरिष्ठाङ्कः - १००****समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.****Max. Marks - 100**

- | | | |
|-------|-------------------------------------------------------------------------------|----|
| I. | मन्त्राणां प्रयोजनवत्त्वं, प्रामाण्यं च ग्रन्थोक्तदिशा प्रदर्शयत । | 10 |
| II. | श्रुति विरुद्ध स्मृतीनां प्रामाण्यमस्ति न वा दीपिकोक्तदिशा व्याकुरुत । | 10 |
| III. | आर्यम्लेच्छयोः कस्य प्राबल्यं ग्रन्थोक्तदिशा स्पष्टयत । | 10 |
| IV. | ‘अग्निहोत्रं जुहोति’ इत्यत्र गुणविधिर्वा नामधेयं वा दीपिकोक्तदिशा व्याख्यात । | 10 |
| V. | गौणीलक्षणं विलिख्य लक्ष्ये योजयत । | 10 |
| VI. | विद्वदधिकरणमारचयत । | 10 |
| VII. | खण्डदेवोक्तदिशा अपूर्वाधिकरणमारचयत । | 10 |
| VIII. | संज्ञया कर्मभेदः कुत्र भाट्टोक्तदिशा पर्यालोचयत । | 10 |
| IX. | ‘सोमेन यजेत’ इत्यत्र कर्मविधिर्वा अनुवादो वा खण्डदेवोक्तदिशा व्याकुरुत । | 10 |
| X. | टिप्पणीः लिखत । | 10 |
| | १. स्तोत्रम् । | |
| | २. दर्शपूर्णमासौ । | |
| | ३. वाजिनम् । | |
| | ४. विधित्रैविद्यम् । | |
| | ५. प्रयाजाः । | |